जन सुविधा | 65 प्रकार की औषधियों के साथ दूरस्थ ग्राम पहुंच रही मोबाइल मेडिकल /यूनिट, समीक्षा बैठक आयोजित

मोबाइल मेडिकल यूनिट से घर-घर पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं

मंडला 12 जुलाई नभाप्र. जिले के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक में मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन की विस्तृत समीक्षा की गई। इन यूनिटों का उद्देश्य उन क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराना है जहाँ 5 किलोमीटर के दायरे में कोई स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध नहीं है। समीक्षा बैठक में सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पीएल कोरी, डॉ. डीके मरकाम, जिला समन्वयक अर्जुन सिंह, राजेंद्र वर्मा और मोबाइल मेडिकल यूनिट के सभी सदस्य उपस्थित रहे। उन्होने बताया कि मोबाईल मेडिकल यूनिट एक चलता फिरता हॉस्पिटल है जिसमें सभी प्रकार की सेवाएं एकसाथ मिल जाएंगी। प्रदाय की जाने वाली चिकित्सकीय सेवाएं, नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श जांच एवं उपचार, गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, हाई रिस्क चिन्हांकन, प्रबंधन एवं रेफरल, प्रसव के बाद देखभाल जिसमें उच्च जोखिम महिलाओं का चिन्हांकन, कम वजन शिशु एवं उच्च जोखिम नवजातों की देखभाल हेतु उचित परामर्श सेवाएं एवं समुचित स्तनपान व्यवहार को बढ़ावा देना, नवजातों में जन्मजात विकृति का चिन्हांकन, टीकाकरण दस्त रोग सांस की रोगों का स्क्रीनिंग प्रबंधन करना, फैमिली प्लैनिंग नियोजन, सिकल सेल एनीमिया की जांच, टीबी की प्राथमिक जांच एवं रेफर, संचारी एवं गैर संचारी रोगों की जांच एवं उपचार, वेक्टर जनित रोग एवं उपचार अन्य बीमारी से ग्रसित बीमारियों का उपचार एवं सही समय पर प्रबंधन करना बताया गया।

प्रतिमाह 24 दिन ग्रामों में देंगे सेवाएं

बताया गया कि मोबाईल मेडिकल यूनिट में 6 प्रशिक्षित मानव संसाधन, 65 प्रकार की औषधियों की उपलब्धता, 77 उपकरणों की संख्या, 14 नैदानिक जांचों की संख्या एवं मोबिलिटी गाड़ी की उपलब्धता के साथ टीम रूट प्लान

अनुसार ग्राम स्तर पर उपलब्ध होने के लिए निर्देशित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मोहंती ने बताया कि मोबाईल मेडिकल यूनिट प्रतिमाह कम से कम 24 दिन ग्रामों में जाकर डायग्नोस्टिक एवं क्लीनिकल सेवा, प्रयोगशाला परीक्षण, उपकरण की उपलब्धता, स्वच्छता मानक के साथ ग्राम के एएनएम को पूर्व में सूचित करने के बाद जाकर स्क्रीनिंग करेंगे। स्क्रीनिंग उपरांत बीमारियों की लाइन लिस्ट तैयार कर एएनएम एवं बीएमओ को उपलब्ध कराएंगे। पिछले वर्ष डायरिया दस्त रोग आउटब्रेक ग्रामों में जाकर रूट प्लान अनुसार स्क्रीनिंग करेंगे।

जांच व उपचार समय पर करने के निर्देश

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पीएल कोरी के द्वारा बताया गया कि गर्भवती महिलाओं की प्रारंभिक जांच समय पर करें एवं सिकल सेल हितग्राहियों की जांच उपरांत पोर्टल पर एंट्री कार्य संपन्न करें। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर डीके मरकाम ने बताया कि परिवार नियोजन साधनों जैसे गर्भ निरोधक गोलियां, आयुसीडी सेवाओं की काउंसलिंग एवं सेवाएं प्रदान करें साथ ही गैर संचारी बीमारी 30 वर्ष से अधिक समुदाय की उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर, कैंसर की जांच एवं उपचार समय पर करें।

बबलिया में मिला बीमार गिद्ध, जबलपुर उपचार के लिए भेजा

ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग ने तत्परता से की मदद

विलुप्त प्रजाति के गिद्ध को मिला नया जीवन

बबलिया 12 जुलाई नभाप्र. मंडला जिले के सहायक वन परिक्षेत्र बबलिया के अंतर्गत ग्राम बबलिया माल में एक बीमार गिद्ध रहवासी क्षेत्र के मार्ग में आ गया, जो वहां से जाने का प्रयास कर रहा था, लेकिन गिद्ध उड़ने और चलने-फिरने में असमर्थ था। जिसकी जानकारी तत्काल वन विभाग को दी गई। स्थानीय ग्रामीणों की सतर्कता और वन विभाग की तत्परता से विलुप्त पक्षी गिद्ध को बचा लिया गया। इसे उपचार के लिए जबलपुर के पशु चिकित्सालय भेजा गया है, जहाँ उसका इलाज चिकित्सकों की निगरानी में जारी है। बताया गया कि पूर्व वन सुरक्षा समिति अध्यक्ष संगतलाल और बाबूलाल यादव ने गांव में एक गिद्ध को बीमार अवस्था में देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना वनरक्षक दंडोतिया को दी। वनरक्षक दंडोतिया ने मौके पर पहुँचकर गिद्ध की हालत का जायजा लिया और तत्काल अपने उच्चाधिकारियों को सूचित किया। अधिकारियों के परामर्श के बाद बिना समय गंवाए गिद्ध को वाहन द्वारा जबलपुर पशु चिकित्सालय ले जाया गया। जहां गिद्ध को उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया। गिद्ध का डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा है। वन विभाग के इस त्वरित कार्रवाई से एक विलुप्त प्रजाति के गिद्ध को बचाया जा सका। बाबूलाल यादव का कहना है कि विलुप्त प्रजाति के पक्षी के संरक्षण के लिए स्थानीय समुदायों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। ग्रामीणों की सूझबूझ और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से एक दुर्लभ पक्षी का जीवन बचाने का प्रयास किया गया है। जो प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

सड़क दुर्घटना में ऋतु अग्रवाल का आकस्मिक निधन, शोक व्याप्त

मंडला 12 जुलाई नभाप्र. सड़क दुर्घटना में व्यापारी राकेश अग्रवाल की पत्नी ऋतु अग्रवाल का 11 जुलाई को एक सड़क दुर्घटना में अकस्मात निधन हो गया। अंतिम यात्रा दिनांक 13 जुलाई को प्रात: 10 बजे उनके निज निवास सराफा बाजार, बुधवारी से आरंभ होगी। ऋतु अग्रवाल सामाजिक रूप से सक्रिय एवं मिलनसार व्यक्तित्व की धनी थीं। उनके निधन से परिवार सहित समस्त व्यापारी एवं सामाजिक समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है।

व्रती नगरी पिंडरई में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना आज

मुनिद्वय नीरज सागर और निर्मद सागर का चातुर्मास

मंडला 12 जुलाई नभाप्र. दिगंबर जैनाचार्य श्री विद्या सागर एवं आचार्य समय सागर के आशीर्वाद से व्रती नगरी पिंडरई इस वर्ष मुनि नीरज सागर एवं मुनि श्री निर्मद सागर के चातुर्मास का साक्षी बन रही है। मुनिद्वय का विगत 28 जून को व्रती नगरी में मंगल प्रवेश हुआ था, जिसके बाद से ही विविध धार्मिक आयोजनों का सिलसिला शुरू हो गया है। इन आयोजनों के क्रम में

30 जून को युग श्रेष्ठ आचार्य विद्यासागर महाराज का 58वां मुनि दीक्षा दिवस सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसके बाद 3 से 10 जुलाई के मध्य विनोद भैया आधारताल जबलपुर के कुशल निर्देशन में अष्टाह्निका महापर्व में सिद्धाराधना की गई। इसी कड़ी में 10 जुलाई को गुरुपूर्णिमा और 11 जुलाई को वीर शासन जयंती का आयोजन भी सानंद संपन्न हुआ। साधु सेवा समिति के मीडिया प्रभारी ऋषभ जैन ने बताया कि आज 13 जुलाई को मुनिद्वय की चतुर्मासिक मंगल कलश स्थापना समारोह श्रीविद्या स्वभाव भवन में आयोजित किया जाएगा। सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष चौधरी कैलाश चंद्र, चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष मनीष जैन और श्रीविद्या सागर नवयुवक कमेटी अध्यक्ष पीयूष जैन ने चातुर्मास के दौरान होने वाले धार्मिक आयोजनों में जिलेवासियों को उपस्थित होने का आव्हान किया है।

नाले में डूबने से 3 साल की मासूम की मौत, मशक्कत के बाद मिला शव

वनग्राम ग्वारा में माँ के साथ गई बच्ची का पैर फिसला, एनआरसी टीम ने शव किया बरामद

मंडला 12 जुलाई नभाप्र. नारायणगंज के टिकरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहाँ वन ग्राम ग्वारा में एक तीन वर्षीय बच्ची की नाले में डूबने से मौत हो गई। बच्ची की पहचान शालिनी पिता लंबू उद्दे के रूप में हुई है। घटना 12 जुलाई शनिवार सुबह करीब 9 बजे की है। बताया गया कि मासूम शालिनी अपनी माँ के साथ नाले की ओर गई थी। इसी दौरान माँ का ध्यान कुछ पल

के लिए भटका और शालिनी का पैर फिसल गया, जिससे वह नाले के गहरे पानी में जा गिरी। इस घटना की सूचना स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल टिकरिया पुलिस और आपदा राहत केंद्र को

दी। सूचना मिलते ही डीआरसी की टीम मौके पर पहुँची और लगभग एक घंटे की सघन तलाश के बाद बच्ची का शव नाले से बरामद कर पुलिस को सौंप दिया। डीआरसी टीम में रामकिशोरी दुबे, मैनेजर सिंह मसराम, सुखदीन परते, पुष्प सिंह पटैल और वन रक्षक नीरज पटेल शामिल रहे। बताया गया कि नाले से मासूम बच्ची के शव निकालने के बाद टिकरिया पुलिस ने बच्ची के शव को नारायणगंज स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के लिए लेकर पहुंचे। जहां बच्ची का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। टिकरिया पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

बीजाडांडी में चार अवैध क्लीनिक सील, झोलाछाप पर चला प्रशासन का डंडा

मंडला में अवैध क्लीनिकों के खिलाफ कार्रवाई जारी, अधिकृत डॉक्टरों से इलाज कराने की अपील

मंडला 12 जुलाई नभाप्र. मंडला स्वास्थ्य विभाग ने जिले में अवैध रूप से संचालित हो रही क्लीनिकों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में बीजाडांडी और आसपास के क्षेत्रों में जिला स्तरीय दल, विकासखंड स्तरीय दल, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से आठ क्लीनिकों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चार क्लीनिक नियम विरुद्ध तरीके से संचालित पाई गईं, जिन्हें तत्काल सील कर दिया गया है। इन क्लीनिकों पर एलोपैथी विधि से इलाज किया जा रहा था, जबकि

उनके संचालकों के पास इसके लिए वैध अनुमति या पंजीकरण नहीं था।

अन्य चार क्लीनिकों को नियमों के अनुसार संचालन करने की चेतावनी दी गई है। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती ने बताया कि क्लीनिकों के संचालन के लिए वैध पंजीकरण जिला स्तर से अनुमति और अपनी विधि के अनुसार ही इलाज व दवाएं रखना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ यह औचक निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा और नियम विरुद्ध क्लीनिक संचालित करते पाए जाने पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भारी बारिश और बाढ़ से नारायणगंज में मकानों को भारी नुकसान, ग्रामीण मांग रहे मुआवजा

नारायणगंज 12 जुलाई नभाप्र. नारायणगंज जनपद पंचायत के अंतर्गत कई गांवों और पंचायतों में मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश के कारण कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और लोगों के घरों में रखा अनाज व अन्य गृहस्थी का सामान बर्बाद हो गया है। स्थिति का जायजा लेने के लिए तहसीलदार और उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण किया है।

बताया गया कि ग्राम पंचायत चंदेहरा, शंकरगंज, भावल और अन्य पंचायतों में बारिश रुकने के बाद भी मकान गिरने का सिलसिला जारी है। बाढ़ के पानी से कई मकानों को भारी क्षति पहुंची है, जिससे लोग बेघर हो गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने तीन-चार महीने का राशन और बरसात की तैयारी के लिए आवश्यक सामान जमा कर रखा था, जो बाढ़ के पानी में पूरी तरह खराब हो गया है। प्रभावित ग्रामीणों ने शासन से शीघ्र मुआवजे की मांग की है जिससे वे अपने घरों की मरम्मत करा सकें और जीवन को पटरी पर ला सकें।

विश्व जनसंख्या स्थरीकरण माह का शुभारंभ, हुए दो नसबंदी ऑपरेशन

बीजाडांडी सीएचसी में विशेष अभियान शुरू, परिवार नियोजन पर दिया जोर

मंडला 12 जुलाई नभाप्र. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीजाडांडी में विश्व जनसंख्या स्थरीकरण माह का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर परिवार नियोजन को बढ़ावा देते हुए दो पुरुषों का नसबंदी ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह अभियान एक महीने तक चलेगा और 11 अगस्त को समाप्त होगा। अभियान के दौरान बीजाडांडी ब्लॉक के विभिन्न गांवों में समुदाय को परिवार नियोजन के स्थाई और अस्थाई साधनों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, इसके साथ ही उनके उपयोग की विधि भी समझाई जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करना और उन्हें सही विकल्प चुनने में सहायता करना है।

बीजाडांडी बीएमओ डॉ. अभय गजभिये ने बताया कि विश्व जनसंख्या स्थरीकरण माह के शुभारंभ के अवसर पर दो हितग्राही राजेश मसराम और वीरेंद्र कुमार गौठरिया का एनएसवीटी ऑपरेशन किया गया। यह नसबंदी ऑपरेशन एनएसवी सर्जन डॉ. सज्जन सिंह उइके द्वारा कुशलतापूर्वक संपन्न किया गया। बीएमओ डॉ. अभय गजभिये ने कहां कि यह अभियान क्षेत्र में जनसंख्या स्थिरीकरण और परिवार नियोजन के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस कार्यक्रम में बीएमओ डॉ. अभय गजभिये के साथ मेडिकल ऑफिसर डॉ. राहुल ठाकुर, बीईई सुहागा झारिया, सुपरवाइजर कमलेश मरावी, नर्सिंग ऑफिसर मीना तिवारी, फार्मासिस्ट नितिन साहू, राकेश विश्वकर्मा, एमपीडब्ल्यू भागवत बरकड़े, एएनएम राधा कुशराम, गांव के जनप्रतिनिधि और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीजाडांडी के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मिलेंगी विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं, जांच व उपचार की सुविधा

मंडला में 14 को लगेगा आयुष्मान आरोग्यम शिविर

मंडला 12 जुलाई नभाप्र. जिले में जन समुदाय को उनके निवास के नजदीक ही स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 14 जुलाई को जिले भर में आयुष्मान आरोग्यम शिविर का आयोजन किया जाएगा। ये शिविर सभी आयुष्मान आरोग्यम मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी स्वास्थ्य केंद्र, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक और सभी उप स्वास्थ्य केंद्र पर लगाए जाएंगे, जिससे लोगों को लगातार और सुचारू रूप से स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकें। इन शिविरों में कई तरह की स्वास्थ्य सेवाओं की जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। इनमें गर्भावस्था एवं प्रसव संबंधित देखभाल, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधित देखभाल, गैर संचारी रोग उपचार, संचारी रोग और वैलनेस गतिविधियां शामिल हैं। बताया गया कि स्वास्थ्य सुविधाए प्रदान करने में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मेडिकल ऑफिसर और आयुष्मान आरोग्यम मंदिरों में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर की मुख्य भूमिका रहेगी। इस पूरे कार्य की निगरानी ब्लॉक स्तर पर विकासखंड चिकित्सा अधिकारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक और बीसीएम करेंगे। जिला स्तर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला टीकाकरण अधिकारी, जिला एनसीडी नोडल अधिकारी और संचारी रोग की निगरानी के लिए जिला टीबी अधिकारी एवं एपिडर्मियोलॉजिस्ट द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके साथ ही किए गए कार्यों की रिपोर्टिंग भारत सरकार द्वारा निर्मित आयुष्मान आरोग्यम पोर्टल पर 14 जुलाई की शाम 5 बजे तक सभी आयुष्मान आरोग्यम मंदिरों से पूरी कर ली जाएगी। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती ने जन समुदाय से अपील की है कि वे अपने नजदीकी आयुष्मान आरोग्यम शिविर में जाकर इन स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाएं।

देवगांव में नागराज का अनोखा आगमन

शिवलिंग के पास दिखे नाग देवता

सावन के पहले दिन घटी घटना, शिव भक्तों में उत्साह

मंडला 12 जुलाई नभाप्र. मंडला जिले के बम्हनी देवगांव में विगत दिवस एक ऐसी अविश्वसनीय घटना घटी जिसने पूरे गाँव में भक्ति और कौतूहल का माहौल बना दिया। यह घटना उस समय हुई जब गाँव के एक घर में जबलपुर भेड़ाघाट से शंकर भगवान की स्थापना के लिए शिवलिंग लाया गया था। शिवलिंग लाने के दूसरे ही दिन शाम करीब 5 बजे उसी घर में नागराज भी पहुँच गए। स्थानीय लोगों ने नागराज को शिवलिंग के पास गुड़ी मारकर बैठे देखा और इस अद्भुत दृश्य का वीडियो भी बनाया। बताया गया कि 11 जुलाई को सावन मास का प्रथम दिवस था, गाँव वालों का मानना है कि नागराज स्वयं भगवान शिव के दर्शन के लिए आए थे। इस अनोखे दृश्य को देखने के लिए पूरा गाँव एकत्रित हो गया और कुछ समय के लिए यह भगवान शिव के साक्षात दर्शन जैसा प्रतीत हुआ। इसकी जानकारी मिलने पर एक सर्प मित्र को बुलाया गया, जिनकी सहायता से नागराज को सावधानीपूर्वक पकड़कर स्थापना के लिए लाए गए शिवलिंग पर बैठाया गया। कुछ देर बाद सर्प मित्र द्वारा नागराज को सुरक्षित रूप से पास के ही जंगल में छोड़ दिया गया। ग्रामीणों का मानना है कि यह घटना भगवान शिव की कृपा का प्रतीक है। सावन मास में भगवान शिव की पूजा और आराधना का विशेष महत्व होता है और इस घटना ने ग्रामीणों की इस मान्यता को और भी मजबूत कर दिया है, इसके बाद क्षेत्र में भक्ति का माहौल बन गया।

जानकारी | बैंकों में प्रशिक्षण से किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

खरीफ से पहले व्यापक प्रचार-प्रसार, बीमा अधिकारी दे रहे व्यक्तिगत जानकारी

मंडला 12 जुलाई नभाप्र. खरीफ 2025 सीजन से पहले प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। किसान कल्याण व कृषि विकास मंत्रालय के तत्वाधान में चल रहे इस अभियान में राष्ट्रीयकृत बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय कृषि बीमा कंपनी के अधिकारी जिले की सभी बैंक शाखाओं में व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर बैंक कर्मचारियों को योजना की विस्तृत जानकारी दे रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक किसानों को इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ मिल सके।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य है कि बैंक कर्मचारी योजना के हर पहलू से अवगत हों और किसानों को सही व सटीक जानकारी प्रदान कर सकें। बैंक शाखाओं में दिए जा रहे इस प्रशिक्षण में योजना के लाभ, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, प्रीमियम भुगतान और दावा निपटान प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। अधिकारियों द्वारा सीधे बैंकों में पहुंचकर जानकारी देने से जमीनी स्तर पर योजना के क्रियान्वयन में आने वाली संभावित बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी।

भारतीय कृषि बीमा कंपनी के प्रबंधक पारस बैरागी ने बताया हमारा लक्ष्य है कि कोई भी पात्र किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ से वंचित न रहे। बैंक हमारे महत्वपूर्ण साझेदार हैं और उनकी सक्रिय भागीदारी के बिना यह संभव नहीं है। इसीलिए हम प्रत्येक बैंक शाखा तक पहुंच रहे हैं और उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षित कर रहे हैं।

किसानों की वित्तीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि खरीफ 2025 सीजन के लिए किसानों को फसल बीमा का लाभ उठाने में कोई कठिनाई न हो। किसानों से अपील की जा रही है कि वे अपनी निकटतम बैंक शाखा से संपर्क कर इस योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करें और अपनी फसलों का बीमा करवाकर संभावित प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से खुद को सुरक्षित करें। यह प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम के पारस कुमार प्रबंधक, एआईसी वत्सल कृष्णा, गौरव हरदहा, आकाश पटेल समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।